भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

विक्रय-पत्र

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

1. भूमि का प्रकार : कृषि
2. परगना : [illegible]
3. ग्राम : [illegible]
4. सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं०) : कृषि खसरा संख्या–[illegible]
5. माप की इकाई : हेक्टेयर
6. विक्रीत सम्पत्ति का क्षेत्रफल : [illegible] हेक्टेयर

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-2-

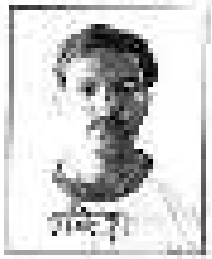

7.	सड़क की स्थिति	:	सुल्तानपुर रोड व अन्य ग्रामीण पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक
8.	सम्पत्ति का प्रकार	:	कृषि
9.	पेड़ या कुआ/बोरिंग	:	कुछ नहीं
10.	बोरिंग/कुआ/अन्य		कुछ भी नहीं
11.	प्रतिफल की धनराशि		रु0 2,37,000/-
12.	मालियत	:	रु0 1,35,000/-
13.	स्टाम्प	:	रु0 14,000/-

चौहद्दी

खसरा सं0 1676

पूरब	: खसरा संख्या-1665
पश्चिम	: खसरा संख्या-1679
उत्तर	: खसरा संख्या-1677
दक्षिण	: खसरा संख्या-1624

राम प्रसाद

हस्ता0

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

629946

प्रथम पक्ष की संख्या–07 द्वितीय पक्ष की संख्या–01

विक्रेतागण का विवरण	:	क्रेता का विवरण
(1) राम कुमार पुत्र बराती व (2) श्रीमती [illegible] पत्नी स्व० बराती, (3) [illegible] (4) [illegible] (5) [illegible] (6) [illegible] पुत्र व पुत्रिया स्व० राम प्रसाद, द्वारा संरक्षिका माता श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व० राम प्रसाद (7) श्रीमती शकुन्तला पत्नी स्व० राम प्रसाद निवासीगण– [illegible], मजरा–ग्राम [illegible], परगना– बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ।		[illegible] पुत्र श्री [illegible] प्रसाद, निवासी–[illegible], [illegible] नगर, लखनऊ।

राम कुमार

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 429947

विक्रय विलेख

यह विक्रय विलेख (1) राम कुमार पुत्र बदामी व (2) श्रीमती हेमलता पत्नी राम कुमार, (3) अभय (4) विजय (5) मीत (6) पवन सभी नाबालिग पुत्र व पुत्रीगण स्व0 राम प्रताप, द्वारा संरक्षिका माता श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री राम प्रताप (7) श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री राम प्रताप निवासीगण- रानीगंज, मकान-ग्राम बरौना, परगना- बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें आगे विक्रेतागण कहा गया है

राम कुमार

विक्रेता

हेमलता

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 2 -

तथा

राकेश पुत्र श्री मथुरा प्रसाद, निवासी-एल-3, राजेन्द्र नगर, लखनऊ जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेतागण कृषि भूमि खसरा संख्या-3618 रकबा 0.150 हेक्टेयर का 1/2 भाग रकबा 0.075 हेक्टेयर, स्थित ग्राम-[illegible], परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ के मालिक, काबिज व दाखिल हैं जो विक्रेतागण को वरासतन प्राप्त हुई है तथा

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-6-

उपरोक्त सम्पत्ति [illegible] खतौनी फसली वर्ष 1413 से 1418 के खाता खतौनी खाता संख्या-00151 के अनुसार विक्रेतागण के नाम अमल दरामद हो चुका है। उक्त आराजी आज विक्रेतागण के कब्जे व दखल मालिकाना में मौजूद है और जो कहीं विक्रय, हिबा, अदलबदल, कुर्की, व रहननामा आदि से प्रभावित नहीं है, उक्त आराजी में किसी अन्य व्यक्ति का कोई स्वामित्व एवं अधिकार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति भागीदार है, अब केवल खुद विक्रेतागण ही उक्त आराजी [illegible] उपरोक्त के पूर्ण स्वामित्व एवं अधिकारी

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 2 -

सहित बिना छोड़े किसी चीज व हक के कुल राशि व समझौता बिना किसी लाभ के, मवलग मुबलिग रू0 2,07,480/- (रुपया दो लाख सात हजार चार सौ अस्सी मात्र) में क्रेता [illegible] को बय बनाई किया और कुल विक्रय धनराशि आज सहित दस्तावेज हमने क्रेता [illegible] से नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राप्त करके बकाया व जवान मालिकाना आराजी मजकूरा पर आज से मजकूरी कब्जा दिया। अब विक्रेता व वारिसान विक्रेता को कोई हक व दावा निस्बत आराजी मजकूरा व विक्रय धनराशि के

राम कुमार

विक्रेता

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

क्रेता से बाकी नहीं रहा, अगर कोई नक्शा पाया जाए तो वह बिल्कुल नाजायज होगे. और अगर जायदाद मबीआ पूर्ण अथवा उसका कोई अंश क्रेता के स्वामित्व एवं अधिकार से निकल जाय या कब्जा व मिले या सही किराया, लिया, लगान, कुर्की व जमानत आदि से बाधित पायी जाती है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपना कुल विक्रय धनराशि मय हर्जा-खर्चा व नुकसान के साथ विक्रेतागण व वारिसान मौकिलान से व विक्रेतागण की अन्य सम्पत्ति चल व अचल से वसूल करेंगे

विक्रेता

अनापत्ति प्राप्त कर लेंगे, इसमें जिलाप्रशासन व माध्यमिक विद्यालय को कोई आपत्ति नहीं होगी।

अब क्रेता संस्था को पूर्ण अधिकार है कि वह विक्रीत आराजी के सम्बन्ध में समस्त सरकारी अभिलेखों में अपने नाम दाखिल-खारिज करा लें ।

आराजी मुबीना में खेती होती है, आराजी मुबीना में पेड़, ट्यूबवेल, कुआं व इमारत आदि नहीं है। आराजी मुबीना के 200 मीटर परिधि में कोई निर्माण आदि नहीं है।

आराजी मुबीना किसी लिंक मार्ग जनपदीय मार्ग व राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

आराजी स्थित ग्राम कटेया, परगना- बिजनौर के ग्रामीण क्षेत्र के सामान्य भाग के अन्तर्गत आता है जो नगर निगम सीमा से बाहर स्थित है जिसकी भूमि मूल्य की सर्किल रेट 10,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर की दर से निर्धारित है जिसके अनुसार विक्रीत रकबा 0.075 हेक्टेयर की मालियत रू० 1,25,000/- होती है जो कि विक्रय मूल्य से कम है, अत:

राम किशोर

नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही कमाकर लाभ कुल 14,000/- को अदा किये जा रहे हैं।

उपरोक्त आरक्षी पुलिस चौकी शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है।

विक्रेतागण व क्रेता दोनों ही अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। तथा आराजी किसी योजना व किसी सरकारी या अर्द्ध सरकारी संस्था द्वारा अधिसूचित नहीं है।

यह कि ऊपर प्रयोग किये गये शब्दों ''विक्रेतागण'' एवं ''क्रेता'' में, जब तक वे प्रसंग के प्रतिकूल न हों, उनके विधिक प्रतिनिधिगण व उत्तराधिकारीगण भी सम्मिलित हैं।

विवरण भुगतान

1. विक्रेतागण को रु0 60,826/- (रुपया साठ हजार आठ सौ छब्बीस मात्र) द्वारा चैक संख्या-[illegible] दिनांकित 21.07.2018 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा [illegible], [illegible] क्रेता से प्राप्त हुए।

2. विक्रेतागण को रु0 60,827/- (रुपया साठ हजार आठ सौ सत्ताईस मात्र) द्वारा चैक संख्या-[illegible]92

दिनांकित 21.07.2010 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-इन्दिरानगर, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

3. विक्रेतागण को रू0 60,827/- (रूपया साठ हजार आठ सौ सत्ताईस मात्र) द्वारा चैक संख्या-2(355) दिनांकित 21.07.2010 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-इन्दिरानगर, लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

4. विक्रेतागण को रू0 25,000/- (रूपया पच्चीस हजार मात्र) नगद क्रेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार विक्रेतागण को कुल विक्रय मूल्य रू0 2,01,480/- (रूपया दो लाख एक हजार चार सौ अस्सी मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए।

लिहाजा यह इकरारनामा विक्रेतागण ने अपनी खुशी व रजामन्दी से होश हवास व तन्दुरूस्ती बिना किसी दबाव के, क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत काम आवे।

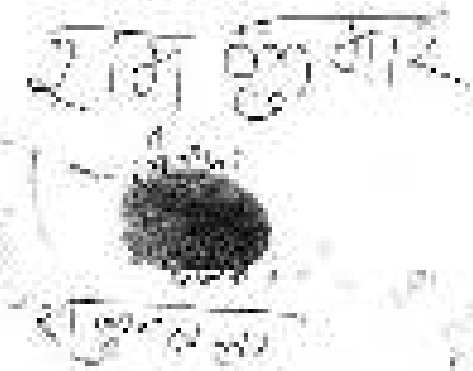

[illegible]

[illegible] [illegible] 2008 [illegible]

[illegible]

दिनांक 21/7/201[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] 21/7/20[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

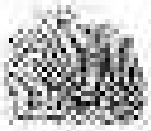

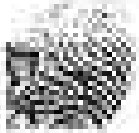

अतः आज उभय पक्षों ने इस विक्रय विलेख पर अपने-अपने हस्ताक्षर करके इसे निष्पादित किया।

नोट पृष्ठ संख्या-10 व 11 पर पेन संख्या पेन से लिखी गई हैं।

दिनांक-21.07.2010

लखनऊ

गवाहान:-

1.

2.

विक्रेता

क्रेता

टाईपकर्ता

(राम कोरी)

मसविदाकर्ता:

(मोहित मिश्रा)

(एडवोकेट)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]2012

नक्शा नजरी

ग्राम- [illegible]

खसरा संख्या- [illegible]

विक्रेता - राम कुमार व अन्य

क्रेता - [illegible]

विक्रेता

राम कुमार

[illegible]

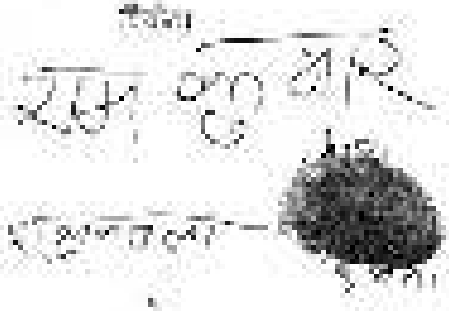

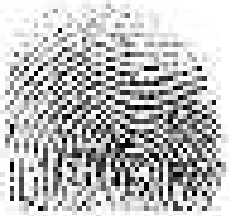

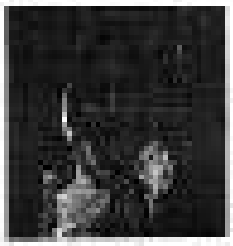

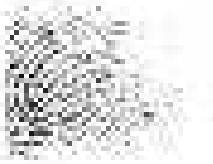

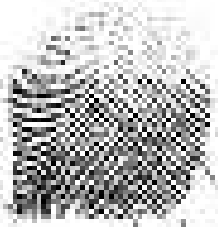

रजिस्ट्रेशन अधिनियम–1908 की धारा 32–ए. के अनुपालन हेतु
फिंगर्स प्रिन्टस्

विक्रेता का नाम व पता:- [illegible] पुत्र [illegible] निवासी– [illegible], मजरा-ग्राम [illegible], परगना- [illegible], तहसील व जिला [illegible]

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

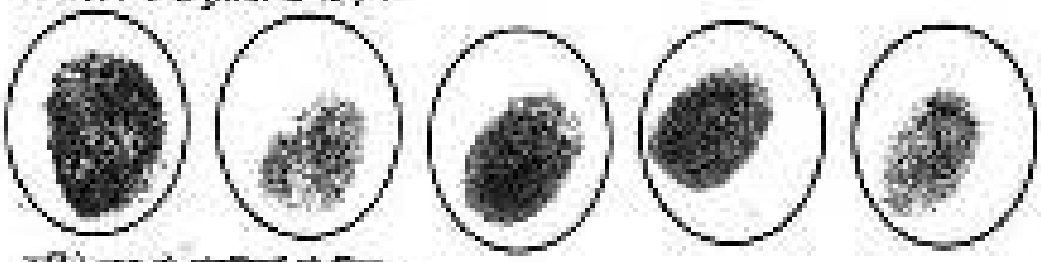

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

विक्रेता के हस्ताक्षर

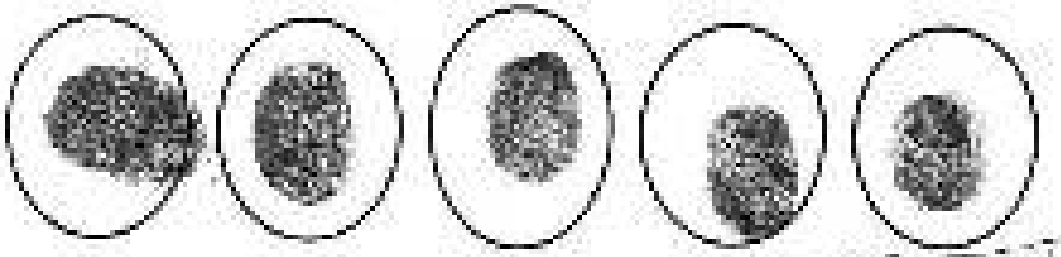

क्रेता का नाम व पता:- [illegible] पत्नी [illegible] निवासी– [illegible], मजरा-ग्राम [illegible], परगना- [illegible], तहसील व जिला [illegible]

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

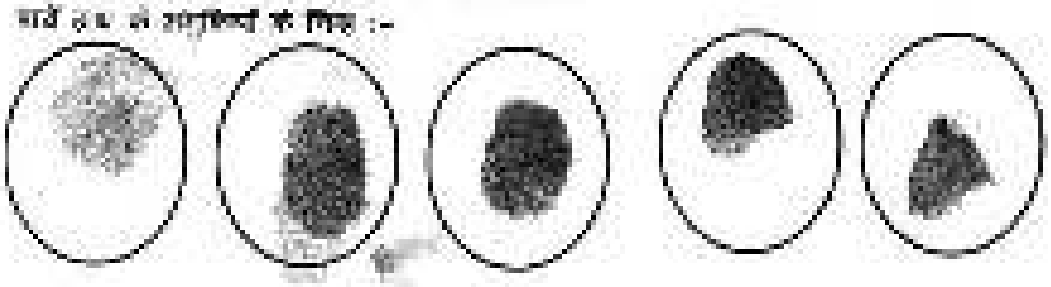

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

क्रेता के हस्ताक्षर

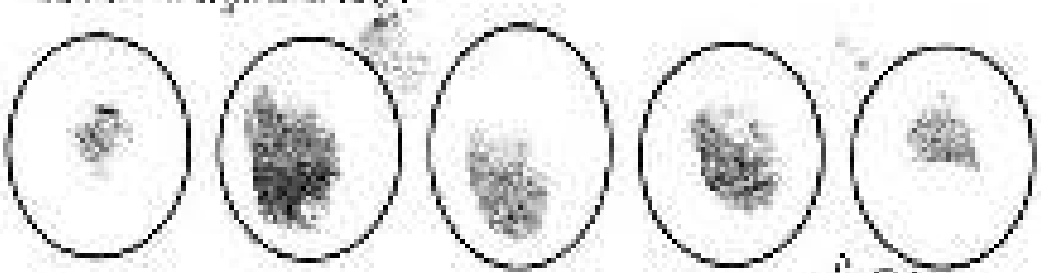

Book No.

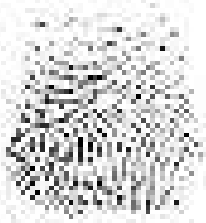

रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए. के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

[illegible]

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

[illegible]

विक्रेता के हस्ताक्षर

[illegible]

बायें हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

[illegible]

क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 21/07/2010 को

बही सं. 1 जिल्द सं. 11792

पृष्ठ सं. 1 से 30 पर क्रमांक 13505

रजिस्ट्रीकृत किया गया

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

[illegible]

उप निबन्धक (द्वितीय)

लखनऊ

21/7/2010